



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 30, 2009/माघ 10, 1930

No. 51]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 30, 2009/MAGHA 10, 1930

महानिदेशक रक्षोपाय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2009

विषय :—सोडा-ऐश के आयातों से संबंधित रक्षोपाय जाँच—प्रारंभिक जाँच परिणाम

सा.का.नि. 62(अ).—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली, 2002 को ध्यान में रखते हुए ;

1. प्रक्रिया

i) भारत में सोडा - ऐश के आयातों से संबंधित रक्षोपाय जाँच की शुरुआत की सूचना दिनांक 16 जनवरी, 2009 को जारी की गयी थी और उसी तारीख को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गयी थी। सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भी सूचना की एक प्रति प्रेषित की गयी थी जिनके नाम निम्नानुसार हैं :-

घरेलू उत्पादक

1. टाटा कैमिकल्स लि.
लीला बिजनेस पार्क
अँधेरी-कुर्ला रोड, अँधेरी (पू.)
मुम्बई-400059
2. सौराष्ट्र कैमिकल्स लि.
बिरला सागर
पोरबन्दर-360576
गुजरात

3. गुजरात हैवी कैमिकल्स लि.
बी-38, इन्स्टीट्यूशनल एरिया
सेक्टर-1, नोएडा-201301
4. डीसीडब्ल्यू लि.
“निर्मल”, तीसरा तल
नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021
5. निरमा लि.
एनसीसी कार्यालय
कृष्णानगर

वाधवाड़ी रोड
भावनगर-364002, गुजरात

सेक्टर-11, सीबीडी बेलापुर
नवी मुंबई

अन्य मास्तीय उत्पादक : (वर्ष 2008-09 में अब बंद)

1. तूतीकोरिन अल्कली कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि.
ईस्ट कोस्ट सेंटर
534, अन्नासलाई
टेनामपेट, चेन्नई-600018

7. प्रॉक्टर एंड गैम्बल हाइजिन एंड हेल्थ केयर
मंडी दीप प्लांट एल एंड सी-विनिर्माण
प्लॉट सं. 182, मंडी दीप
मध्य प्रदेश

8. अलब्राइट मोरारजी एंड पण्डित लि.
अम्बरनाथ, जिला- थाणे
महाराष्ट्र

आयातक

1. गुजरात गार्जियन लि.
ग्राम-कौंड
वालिया रोड
प्लांट राज्य राजमार्ग सं. 13
अंकलेश्वर, भरुच-393001

9. एड्वाटेक इंडस्ट्रीज प्रा. लि., धनाली
ग्राम धनाली
कडी जिला, मेहसाना
गुजरात

2. फ्लोट ग्लास इंडिया लि.
टी-7, एमआईडीसी
इंडस्ट्रियल एरिया
तलोजा, महाराष्ट्र

10. सेंट गोबेन ग्लास लि.
श्रीपेरुम्बदूर, तमिलनाडु

निर्यातक

3. अलेम्बिक ग्लास इंडस्ट्रीज लि.
अलेम्बिक रोड
बड़ौदा (वड़ोदरा)
गुजरात

शेन्डॉंग हाहुआ ग्रुप
शेन्डॉंग हाहुआ ग्रुप लि.
डेवलप जोन ऑफ हाहुआ
वेईफांग सिटी, शेन्डॉंग-262737
चीन

4. दीपक नाइट्राइट लि.
नांदेसारी,
4/12 कैमिकल कॉम्प्लेक्स
जीआईडीसी, नांदेसारी,
बड़ौदा (वड़ोदरा)
गुजरात

2. हेबेई टेंगशन सैन्यो अल्कली इंडस्ट्री कं.
नान्पु डेवलपमेंट एरिया
टेंगशन, हेबेई
चीन
पोस्ट कोड- 063305

5. हिन्दुस्तान नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्री लि.
रिशरा, पश्चिम बंगाल

3. किंघाई अल्कली प्लांट (जेजियांग क्लास)
चीन का किंघाई दिल्ली म्युनिसिपल इंडस्ट्रियल पार्क
जिप-817000

6. हिन्दुस्तान यूनिलीवर लि.
दक्षिणा बिल्डिंग
8वाँ तल, प्लॉट सं. 2

4. तियान्जिन सोडा ऐश पार्क
संख्या 87, जिन्हुआ रोड
टंग्गु, जिला तियान्जिन
चीन

5. जिन्सान केमिकल्स कं.

हेनान प्रोविंस में चीन की जेजोउ सिटी

जेजोउ सिटी, फुशोशान स्ट्रीट 87, चीन

(ii) सूचना की एक प्रति नई दिल्ली में उनके दूतावास के जरिए चीन जनवादी गणराज्य की सरकार को भी भेजी गई थी।

(iii) सभी ज्ञात घरेलू उत्पादकों एवं आयातकों को उसी दिन प्रश्नावलियों भी भेजी गयी थीं और उनसे 30 दिनों के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

घरेलू उद्योग के विचार

1. मै. टाटा केमिकल्स लि., अँवैरी (पू.), मुंबई; मै. गुजरात हेवी केमिकल्स लि., नोएडा; मै. सौराष्ट्र केमिकल्स लि., बिरला सागर, पोरबंदर, गुजरात; मै. डीसीडब्ल्यू लि., नरीमन प्वाइंट, मुंबई और मै. निरमा लि., भाबंनगर, गुजरात की ओर से भारतीय अल्कली विनिर्माता एसोसिएशन (एएमएआई) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदकों द्वारा उठए गए प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार हैं :-

2. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में चीन से आई सोडियम कार्बोनेट जिसका लोकप्रिय नाम सोडा ऐश है, के बड़े हुए आयातों से घरेलू उद्योग को बाजार में व्यवधान का सामना हो गया है। उत्पाद का रासायनिक सूत्र Na_2CO_3 है। सोडा ऐश एक सफेद, दानेदार और जल में घुलनशील पदार्थ है। सोडा ऐश को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :-

उत्पाद का नाम	एचएसएन अध्याय शीर्ष	सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष	आईटीसी शीर्ष
सोडा ऐश	2836.20	28362010	28362010
		28362020	28362020
		28362090	28362090

3. उन्होंने आरोप लगाया है कि कम कीमतों पर आयातों में वृद्धि हो रही है जिससे उन्हें बाजार हिस्सा गँवाना पड़ रहा है।

4. कम कीमत पर ये बड़े हुए आयात चीन में कुछेक नई परिस्थितियों के कारण हैं जो निम्नानुसार हैं :-

क. अगस्त, 2008 के दौरान जीडीपी में वृद्धि 10.5% रही। अनुमान है कि 2009 के दौरान जीडीपी में वृद्धि घटकर 5-6% रहेगी। इससे चीन में अत्यधिक मात्रा में बेरोज़गारी हो जाएगी।

ख. ओलम्पिक खेलों और वैश्विक वित्तीय संकट के बाद चीन में औद्योगिक कार्यकलाप में अत्यधिक गिरावट आई है जिससे सोडा ऐश की माँग में भी गिरावट आई है।

ग. सोडा ऐश हेतु माँग का अनुमान जो पहले 10%+/वर्ष लगाया गया था, अब घटकर 5%-6%/वर्ष रह गया है। इससे चीन में माँग में 2 मिलियन मीट्रिक टन/वर्ष की गिरावट आएगी।

घ. सभी निर्यात विशेष रूप से रसायनों/प्लास्टिक/टेक्सटाइल/खिलौनों आदि के निर्यात जो काफी हद तक अमेरिका और यूरोप पर निर्भर थे, प्रतिकूलतः प्रभावित हुए हैं। परिणामस्वरूप इन बाजारों को सोडा ऐश के निर्यातों में भी कमी आई है जिससे चीन के उत्पादकों के पास अत्यधिक बेशी मात्रा है।

ङ. सरकार ने ग्रामीण कृषि क्षेत्रों के उद्धार हेतु सहायता उपायों की घोषणा की थी। इससे कुछेक संयंत्र बंद होने से बच गए जो कि अन्यथा इन उपायों की अनुपस्थिति में बंद हो गए होते।

च. लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं की ही तरह सम्पदा क्षेत्र विशेष रूप से गृह निर्माण क्षेत्र प्रतिकूलतः प्रभावित हुआ है। भू-सम्पदा की कीमतों में गिरावट आ रही है और ग्राहकों की संख्या भी बहुत कम है। इससे सोडा-ऐश हेतु माँग सहित कई उत्पादों की माँग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

छ. गृह निर्माण क्षेत्र में मंदी से सीमेंट, इस्पात और ग्लास जैसे अवसरचना उद्योग प्रभावित हुए हैं।

ज. पिछले दो महीनों में लघु एवं मझोले आकार की 35 फ्लोट ग्लास लाइनें कथित रूप से बंद हो गईं और अन्य कम उत्पादन दरों पर प्रचालन कर रही हैं। फ्लोट ग्लास के सोडा ऐश का प्रमुख उपभोक्ता होने के कारण इसका परिणाम बड़ी मात्रा में बेशी क्षमता के रूप में हुआ है।

झ. वर्ष 2007-08 में सोडा ऐश उद्योग में क्षमता में वृद्धि अनुमानों के अनुसार है।

मध्य 2008 में सात बड़े विनिर्माताओं और लगभग 44 लघु विनिर्माताओं के साथ चीन की क्षमता कथित रूप से 22 मि. मी. टन थी। पिछले 18 महीनों में इसमें 3.5 मि. मी. टन की वृद्धि हो चुकी है (18.5 मि. मी. टन के आगे)। लगभग 5 मि. मी. टन क्षमता उपलब्ध होने की घोषणा है (माँग-आपूर्ति की स्थिति के आधार पर यह साकार या अन्यथा हो सकता है)। वर्ष 2009 और 2010 में चीन की सोडा-ऐश उत्पादन क्षमता के क्रमशः 26 और 28 मि. मी. टन तक पहुँचने की आशा है।

ट. सितम्बर, 2008 में शेन्डॉंग- हाइतेई की क्षमता में 1 मि. मी. टन की वृद्धि हुई है और उसका वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। एक बार वाणिज्यिक रूप से प्रचालन शुरू करने के बाद यह कम्पनी बाजार में एक मि. मी. टन सोडा-ऐश भेजेगी।

ठ. अक्टूबर, 2008 में चीन का सोडा-ऐश उत्पादन 1.701 मि. मी. टन बना रहा, जो आज की तारीख तक वर्ष के दौरान 16.14 मि. मी. टन बनता है जो कि पिछले वर्ष की सदृश अवधि की तुलना में 14% वृद्धि दर्शाता है।

ड. ओलम्पिक के बाद खेलों के दौरान संभार तंत्र में कमी के कारण अधिक वस्तुसूची के प्रतिकूल प्रभाव के साथ खपत में अत्यधिक गिरावट देखी गयी।

ठ. पूर्वाग्रहों के विपरीत खेलों के दौरान कोई सोडा-ऐश संबंधित बंध नहीं हुआ था। इसके कारण सोडा-ऐश उत्पादकों के पास अधिक मात्रा में वस्तुसूची थी और अब उनके पास स्टॉक की भरमार है। अधिक वस्तुसूची और सतत रिपोर्टेड उत्पादन के कारण वस्तुसूची में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

ण. चीन में ग्लास उद्योग की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इस संबंध में निम्नलिखित तथ्य संगत हैं।

- (i) फ्लोट ग्लास को अत्यधिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है।
- (ii) सितम्बर-अक्तूबर में इस क्षेत्र में वित्त की भारी कमी के कारण ओलम्पिक खेलों के दौरान बड़ी हुई वस्तुसूची का निपटारा नहीं किया जा सका।
- (iii) भू-सम्पदा क्षेत्र में 25-30% की गिरावट की प्रवृत्ति है। "कोई ग्राहक" उपलब्ध नहीं है।
- (iv) कथित रूप से उच्च वस्तु सूची के कारण 30 फ्लोट ग्लास इकाइयाँ बंद हो गईं और कोई घरेलू माँग नहीं है।
- (v) सोडा-ऐश की अत्यधिक माँग जो अब तक बहुत अधिक थी, भी अब कम हो गई है।

त. मंदी के परिणामस्वरूप डिटर्जेंट की माँग में भी कमी आई है। वर्ष 2008 के दौरान डिटर्जेंट उद्योग में, जिसमें वर्ष 2007 तक + 10% प्रतिवर्ष की दर से वृद्धि हो रही थी, आंशिक नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

थ. अल्यूमीनियम सेक्टर में सोडा ऐश की खपत में कमी आने के कारण अल्यूमीनियम उद्योग में सोडा ऐश की माँग में भी कमी आई है।

5. कमतर उत्पादन के बावजूद उनकी वस्तु सूची में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

6. संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण तथा बिक्री से संबंधित लागत का एक बड़ा हिस्सा परिवहन लागत होती है। जहाँ एक ओर सोडा ऐश के भारतीय उत्पादक गुजरात राज्य में अवस्थित हैं (फच्चे माल की उपलब्धता के कारण) वहीं दूसरी ओर बिक्री समग्र भारत में की जानी अपेक्षित होती है जिससे समस्या और विकट हो जाती है। इसके अतिरिक्त संबद्ध वस्तु तुलनात्मक रूप से निम्नतर कीमत उत्पाद हैं। अतः उत्पाद की बिक्री कीमत की तुलना में प्रति मी. टन उत्पाद की परिवहन लागत के बहुत अधिक होने की संभावना बढ़ जाती है।

7. उनकी लाभप्रदता में अत्यधिक कमी आई है और उद्योग के समाप्त होने का खतरा आसन्नवर्ती है।

8. उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य से बढ़ते आयातों के कारण होने वाली बाजार अस्थिरता के खतरे से सोडा ऐश के घरेलू उत्पादकों के संरक्षण के लिए रक्षा शुल्क लागू किए जाने के साथ-साथ चीन से भारत में सोडा ऐश के आयातों पर मात्रात्मक प्रतिबंध लगाए जाने का अनुरोध किया है।

9. उन्होंने आपात स्थितियों जिनसे होने वाली क्षति की भरपाई करना कठिन होगा, के मद्देनजर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाने का भी अनुरोध किया है।

3. डीजी के परिणाम :

क) तत्काल रक्षोपाय लागू किए जाने के मुद्दे की जाँच की गई। दिनांक 11.06.2002 की अधिसूचना सं. 34/2002-एनटी-सीमाशुल्क के तहत जारी सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली, 2002 के नियम 9 में यह निर्धारित है कि महानिदेशक त्वरित गति से जाँच निष्पादित करेंगे और आपात स्थितियों में गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे से संबंधित प्रारंभिक परिणाम दर्ज करेंगे। जाँच को शासित करने वाले सिद्धांत सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली, 2002 के नियम 6 जो नियम 9 से अलग है, में दिए गए हैं। सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली, 2002 के नियम 15 में जाँच समाप्त होने के उपरांत लागू रक्षोपाय शुल्क के पूर्व में लागू किए गए और वसूले जा चुके अनंतिम शुल्क से कम होने की स्थिति में रक्षोपाय शुल्क के अंतर को लौटाए जाने का प्रावधान है। उक्त नियमावली के नियम 6, 9 और 15 के सुमेलीकृत वाचन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नियमावली में प्रारंभिक परिणामों के आधार पर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की शीघ्र सिफारिश किए जाने और जाँच समाप्त होने के उपरांत लागू शुल्क के नियम 6 में किए गए निर्धारण के अनुसार अनंतिम रक्षोपाय शुल्क से कम होने की स्थिति में शुल्क के अंतर की राशि की वापसी का प्रावधान है। तथापि आपात स्थितियों में अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाने में किसी भी प्रकार के विलंब के परिणामस्वरूप कोई ऐसी क्षति हो सकती है जिसकी भरपाई मुश्किल हो। तदनुसार स्थितियों का विश्लेषण कर यह निर्धारित करना उचित समझा गया कि क्या वे स्थितियाँ आपात स्थितियों की श्रेणी के अंतर्गत हैं।

(ख) जाँचाधीन उत्पाद: जाँचाधीन उत्पाद डाई सोडियम कार्बोनेट है जो एन ए₂ सी ओ₃ (Na₂CO₃) के रासायनिक सूत्र वाले सोडा ऐश के नाम से अधिक जाना जाता है। सोडा ऐश एक श्वेत, रवेदार, जल में विलेय पदार्थ है। इसलिए इसे "सोडा ऐश" कहा गया है। सोडा ऐश दो रूपों में उत्पादित होता है - हल्का सोडा ऐश और सघन सोडा ऐश। दोनों प्रकारों में अंतर उनकी बल्क सघनता है। डिटर्जेंट, साबुन, मार्जक संघटकों, सोडियम आधारित रसायनों, फ्लोट ग्लास, कंटेनर तथा स्पेशलिटी ग्लास, सिलिकेट और अन्य औद्योगिक रसायनों के विनिर्माण हेतु अनिवार्य घटक है। टेक्सटाइल, कागज, मेटलार्जिकल उद्योगों तथा विलवणीकरण संयंत्रों में भी इसका व्यापक प्रयोग होता है। निदेशालय का प्रारंभिक निष्कर्ष यह है कि घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित उत्पाद संबंधित उत्पाद के समान है अथवा उसका प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी है। यह उल्लेखनीय है कि उत्पादन प्रक्रिया में संभावित न्यून अंतर और गुणवत्ता के रूप में कुछ अंतरों के होते हुए भी उनके मूलभूत भौतिक गुणधर्म और प्रयोग समान है और वे समान या एक जैसे बिक्री माध्यमों के जरिए बेचे जाते हैं। कीमत संबंधी सूचना सरलता से उपलब्ध है और संबंधित उत्पाद तथा घरेलू उत्पादकों के उत्पाद मुख्यतः कीमत के आधार पर प्रतिस्पर्धी हैं।

(ग) घरेलू उद्योग: भारत में सोडा ऐश का विनिर्माण करने वाले मुख्य घरेलू उत्पादक निम्नलिखित हैं यथा - टाटा कैमिकल्स लि०, गुजरात हेवी कैमिकल्स लि०, सौराष्ट्र कैमिकल्स लिमिटेड, डी सी डब्ल्यू लिमिटेड, निरमा लिमिटेड और तृतीकोरेन एल्कली कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड। इन उत्पादकों के हिस्से तालिका 1 में दर्शाए गए हैं। आवेदक मै० एल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए एम ए आई) जिन्हें मै० टाटा कैमिकल्स लि०, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई, मै० गुजरात हेवी कैमिकल्स लि०, नोएडा, मै० सौराष्ट्र कैमिकल्स लि०, बिरला सागर, पोरबंदर, गुजरात, मै० डी सी डब्ल्यू लि०, नरीमन प्वाइंट, मुंबई और मै० निरमा लि०, भावनगर, गुजरात का समर्थन प्राप्त है और जिसका सोडा ऐश का उत्पादन घरेलू उत्पादन के 90 प्रतिशत से अधिक है, घरेलू उद्योग है।

तालिका - 1

क्र.सं.	विनिर्माता का नाम	2007-08 में उत्पादन	कुल घरेलू उत्पादन में प्रतिशत हिस्सा
1	टाटा कैमिकल्स लिमिटेड	7,77,259	36.56
2	जी एच सी एल लिमिटेड	6,18,208	29.08
3	सौराष्ट्र कैमिकल्स	2,76,439	13.00
4	निरमा लिमिटेड	3,72,530	17.52
5	डी सी डब्ल्यू लिमिटेड	81,248	3.82
6	तृतीकोरेन अल्कली कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	54	.003

(घ) अप्रत्याशित घटनाक्रम: मौजूदा आर्थिक मंदी के परिणामस्वरूप सोडा ऐश की माँग में कमी आई है। परिणामस्वरूप चीनी उत्पादकों को उत्पादन क्षमता की अत्यधिक अनुपयुक्तता का सामना करना पड़ रहा है और इससे बचने के लिए वे भारतीय बाजार में उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उनके प्रमुख निर्यात बाजारों में उनके उत्पाद की माँग में कमी आई है। चीन में नई कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देने से उनकी समस्याएँ और अधिक बढ़ गई हैं। अतः यह पता चला है कि उपर्युक्त अप्रत्याशित स्थितियों के कारण चीन से कम कीमतों पर आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(ङ.) बड़े हुए आयात: तालिका 2 से यह स्पष्ट है कि अक्टूबर-दिसम्बर 2008 की अवधि में चीन जनवादी गणराज्य से आयातों में सापेक्ष रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है। पूर्व में आयातों के हिस्से में क्रमिक वृद्धि के उपरांत अक्टूबर-दिसम्बर 2008 के दौरान घरेलू बाजार में आयातों के हिस्से में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

तालिका - 2

अवधि	मात्रा (मी.टन)	मासिक औसत
2004-05	2,120	177
2005-06	9,016	751

2006-07	44,892	3,741
2007-08	45,771	3,814
अप्रैल-जून 08	10,249	3,416
जुलाई-सितम्बर 08	16,562	5,521
अक्तूबर-दिसम्बर 08	49,018	16,339

स्रोत: जून, 08 तक डी जी सी आई एंड एस और तत्पश्चात चीनी सीमाशुल्क विभाग

इसके अतिरिक्त जैसाकि तालिका 3 से स्पष्ट होता है, घरेलू उत्पादन की तुलना में चीन से आयातों का हिस्सा वर्ष 2005-06 में 0.44 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर अप्रैल-सितम्बर 2008 में 2.59 प्रतिशत हो गया है। तंदुपरांत चीन (जन गण) से आयातों का हिस्सा तेजी से बढ़कर 10.13 प्रतिशत हो गया है।

तालिका - 3

घरेलू उत्पादन की तुलना में चीन तथा अन्य देशों से आयात

	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितम्बर, 08	अक्तूबर-दिसम्बर, 08
चीन से आयात	0.44	2.16	2.16	2.59	10.13
चीन को छोड़कर अन्य से आयात	6.92	10.35	14.57	11.16	6.67
घरेलू उद्योग द्वारा बिक्रियां (कुल)	92.64	87.49	83.27	86.25	83.20

(घ) बाजार अस्थिरता का खतरा

i. **घरेलू बाजार का हिस्सा:** जैसाकि तालिका 3 से स्पष्ट होता है चीन से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से की क्षति हो रही है। वर्ष 2005-06 में चीनी आयातों के मात्र 0.44 प्रतिशत के बाजार हिस्से की तुलना में घरेलू विनिर्माताओं का बाजार हिस्सा 92.64 प्रतिशत था। अक्तूबर-दिसम्बर 2008 की अवधि के दौरान चीनी आयातों का हिस्सा बढ़कर 10.13 प्रतिशत हो गया और उसी अवधि में घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घटकर 83.20 प्रतिशत रह गया था।

ii. **बिक्री:** तालिका 4 से यह देखा जा सकता है कि अप्रैल-दिसम्बर, 2008 में औसत साप्ताहिक बिक्री मात्रा वर्ष 2005-06 की अवधि के 36745 मी.टन की तुलना में घटकर 33207 मी.टन रह गई थी। जनवरी, 2009 के पहले सप्ताह में बिक्री और अधिक घटकर 20881 मी.टन हो गई है।

तालिका - 4

	कुल घरेलू विक्रियाँ	औसत साप्ताहिक घरेलू विक्रियाँ
2005-06	1,910,722	36,745
2006-07	1,821,823	35,035
2007-08	1,765,426	33,951
अप्रैल-दिसम्बर, 2008	1,295,063	33,207
1/11 से 7/11/08		31,853
8/11 से 14/11/08		30,970
15/11 से 21/11/08		29,819
22/11 से 30/11/08		36,539
1/12 से 7/12/08		27,645
8/12 से 14/12/08		26,603
15/12 से 21/11/08		28,931
22/12 से 31/12/08		39,101
1/1 से 7/1/09		20,881
8/1 से 14/1/09		29,963

- III उत्पादन: तालिका 5 के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि औसत साप्ताहिक उत्पादन नवम्बर, 2008 तक बढ़ रहा था और तत्पश्चात दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में इसमें तेजी से गिरावट आई। इसके अलावा, जनवरी, 2009 में यह गिरावट काफी अधिक थी।

तालिका - 5

	कुल उत्पादन	औसत साप्ताहिक उत्पादन
2005-06	2,224,601	42,781
2006-07	2,037,255	39,178
2007-08	2,125,684	40,879
अप्रैल-दिसम्बर, 2008	1,556,654	39,914
1/11 से 7/11/08		42,329
8/11 से 14/11/08		41,516
15/11 से 21/11/08		41,432
22/11 से 30/11/08		52,285
1/12 से 7/12/08		40,105
8/12 से 14/12/08		42,607
15/12 से 21/11/08		43,936
22/12 से 31/12/08		55,971
1/1 से 7/1/09		38,219
8/1 से 14/1/09		37,967

iv. माल सूची: तालिका 6 से यह पता चलता है कि माल सूची का स्तर नवम्बर, 2008 के प्रथम सप्ताह में 47721 मी.टन से अत्यधिक बढ़कर जनवरी, 2009 के दूसरे सप्ताह के समाप्ति पर 110082 मी.टन हो गया है। इससे लगभग 8 सप्ताह में ही 132 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित होती है।

तालिका - 6

	औसत स्टॉक
1/11 से 7/11/08	47721
8/11 से 14/11/08	51598
15/11 से 21/11/08	54008
22/11 से 30/11/08	60521
1/12 से 7/12/08	62611
8/12 से 14/12/08	70611
15/12 से 21/11/08	80049
22/12 से 31/12/08	88752
1/1 से 7/1/09	97047
8/1 से 14/1/09	109799
आंतिम मालसूची	110082

क्षमता उपयोग: तालिका 7 से यह पता चलता है कि क्षमता उपयोग में नवम्बर, 2008 तक वृद्धि हो रही थी किन्तु दसम्बर, 2008 में 93.41 प्रतिशत से तेजी से घटकर दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में 71 प्रतिशत हो गया। जनवरी, 2009 के प्रथम सप्ताह में क्षमता उपयोग घटकर 68 प्रतिशत हो गया। यह भी देखा जाता है कि क्षमता उपयोग में यह अत्यधिक गिरावट इस तथ्य के बावजूत आई है कि कुछ घरेलू विनिर्माताओं के पास लगभग पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना उत्पादन विभिन्नित करने की लोचनीयता नहीं थी।

तालिका - 6

	औसत साप्ताहिक क्षमता	क्षमता उपयोग
2005-06	49,731	86.02%
2006-07	50,953	76.89%
2007-08	55,360	73.84%
अप्रैल-दिसम्बर, 2008	55,360	72.10%
1/11 से 7/11/08	55,975	75.62%
8/11 से 14/11/08	55,975	74.17%
15/11 से 21/11/08	55,975	74.02%

22/11 से 30/11/08	55,975	93.41%
1/12 से 7/12/08	55,975	71.65%
8/12 से 14/12/08	55,975	76.12%
15/12 से 21/11/08	55,975	78.49%
22/12 से 31/12/08	55,975	99.99%
1/1 से 7/1/09	55,975	68.28%
8/1 से 14/1/09	55,975	67.83%

vi. उत्पादकता: उत्पादकता के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

vii. लाभप्रदता: निम्नलिखित तालिका 8 से यह देखा जा सकता है कि लाभप्रदता में गिरावट आई और यह वर्ष 2006-2007 में 2680 प्रति मी.टन से घटकर वर्ष 2007-2008 में 2181 प्रति मी.टन और अप्रैल, 2008 से सितम्बर, 2008 के दौरान और भी घटकर 1976 प्रति मी.टन रह गई।

तालिका - 8

वर्ष	लाभ/(हानि) रुपये प्रति मी.टन	सूचीबद्ध
2005-06	2114	100
2006-07	2680	127
2007-08	2181	103
अप्रैल-सितम्बर 08	1976	93

viii. रोजगार: घरेलू उद्योग की रोजगार की स्थिति में गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका 9 से देखा जा सकता है।

ix. आयात कीमत: चीन से सोडा ऐश के निर्यात की एफ ओ बी कीमतों की घट-बढ़ से यह स्पष्ट है कि नवम्बर और दिसम्बर, 2008 के महीने में कीमत में तेजी से गिरावट आई थी जो जनवरी, 2009 तक जारी रही। कीमत में आई इस अचानक गिरावट के कारण आयात बढ़ गया है। समुचित आर ओ सी ई पर बिक्री की लागत की तुलना में कम पहुँच मूल्य पर आयातों में हुई वृद्धि के कारण घरेलू बाजार में घरेलू उत्पादकों के हिस्से में कमी आई है। इसके अलावा, बढ़े हुए आयातों के कारण कीमतों पर उनके प्रभाव से लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई जैसाकि उपर्युक्त तालिका 8 में दर्शाया गया है।

तालिका 10

	मात्रा मी.टन में	एफ ओ बी कीमत यू एस मिलियन/मी.टन में
वर्ष/माह	भारत	भारत
2005-06 -	10,063	157.15

2006-07	47,252	145.43
2007-08	45,771	218.55
अप्रैल-दिसम्बर 08	71,410	235.02
प्रति माह		
अप्रैल-08	1,859	280.14
मई-08	2,620	283.57
जून-08	1,351	296.54
जुलाई-08	3,011	296.31
अगस्त-08	5,742	310.55
सितम्बर-08	7,809	305.87
अक्तूबर-08	5,891	287.28
नवम्बर-08	1,920	190.03
दिसम्बर-08	41,207	194.07

निर्णायक परिस्थितियाँ — इस परिपेक्ष्य में ध्यान देने योग्य विषय है कि सोडा ऐश का निर्यात 41207 मी.टन (सारणी 10 का संदर्भ लें) तक बढ़ा है जो कि कुछ समय पहले तक चीन से भारत को किये जाने वाले वार्षिक निर्यात के बराबर है। इस प्रकार के भारती मात्रा में सोडा ऐश के आयात से, आयात का मार्केट शेयर महत्वपूर्ण ढंग से बढ़ेगा जिससे घरेलू उत्पादक विस्थापित हो जायेंगे। इससे घरेलू उद्योग क्षीण होते जायेंगे जिनके वैसे ही भारी मात्रा में स्टॉक जमा है (यह बढ़ोतरी नवम्बर 2008 से जनवरी 2009 तक 130 प्रतिशत थी) आगे चलकर बढ़ोतरी की वजह से क्षमता प्रयोग, रोजगार और मुनाफे में भी कमी आयेंगी।

चीन से भारत में इस प्रकार किए गए वर्धित निर्यात और चीन में पहले से जमा आधिक्य क्षमता, घरेलू उद्योग को अस्त-व्यस्त कर देंगी, जिसके फलस्वरूप मार्केट विदारण की स्थिति सन्निकत है।

अतः मेरे विचार में निर्णायक परिस्थितियों के चलते प्रारम्भिक रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाना अपेक्षित है और जिसके विलम्ब के फलस्वरूप असुधार्य क्षतिपूर्ण स्थिति पैदा हो सकती है।

(ज) **अन्य मुद्दे:** घरेलू उत्पादकों, प्रयोक्ताओं, आयातकों एवं अन्य आर्थिक प्रचालकों के हितों की अनंतिम जांच से यह ज्ञात होता है कि घरेलू उत्पादकों के पास प्रौद्योगिकीय दृष्टि से प्रतिस्पर्धी संयंत्र, प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध है और उनकी उत्पादकता उच्च स्तर की है और वे अपने ग्राहकों की गुणवत्ता एवं सेवा संबंधी मांगों को पूरा कर सकते हैं। अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू करने में किए गए किसी विलम्ब से उनकी व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। एक स्वस्थ एवं प्रतिस्पर्धी उद्योग का होना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा प्रतीत होता है कि यदि कोई रक्षोपाय लागू न किए जाएं

तो घरेलू उद्योग की कीमतों और बाजार हिस्से, दोनों में और भी गिरावट आयेगी, जिसकी परिणति मानसूची बढ़ने, उत्पादन घटने, लाभप्रदता में कमी और रोजगार में कमी के रूप में होगी।

(ट) निष्कर्ष एवं सिफारिश: उपर्युक्त प्राथमिक जाँच परिणाम के आधार पर यह देखा जा सकता है कि सोडा ऐश के आयातों में वृद्धि के कारण सोडा ऐश के घरेलू उत्पादकों के लिए बाजार अवरोध उत्पन्न हुआ है और इसके उत्पन्न होने का खतरा है। ऐसी गंभीर परिस्थितियाँ निर्मित हो गई हैं, जिनमें स्तोपाय लागू करने में किए जाने वाले विलम्ब के कारण जो नुकसान होगा, उसे उसकी पूर्ति करना कठिन हो जाएगा, अतः बाजार अवरोध और बाजार अवरोध के अंतिम निर्धारण तक 200 दिवस की अवधि हेतु अंतिम स्तोपाय शुल्क तुरन्त लागू करना अत्यंत आवश्यक है। घरेलू उत्पादकों द्वारा सोडा ऐश के उत्पादन की औसत लागत (गोपनीय), नियोजित पूंजी से प्राप्त समुचित आय, आयात शुल्क के वर्तमान स्तर तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के शीर्ष संख्या 28362010, 28362020 तथा 28362090 के अंतर्गत आने वाले सोडा ऐश की वर्तमान आयात कीमतों को देखते हुए चीन जनवादी गणराज्य से सोडा ऐश के आयातों पर 31 % की सम मूल्य दर से स्तोपाय शुल्क, जिसे घरेलू उद्योग के हितों के संरक्षण के लिए अपेक्षित न्यूनतम राशि समझा गया है, लागू करने की सिफारिश की जाती है।

(ठ) आगे की प्रक्रिया: अंतिम निर्धारण करने से पूर्व एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तारीख की सूचना अलग से दी जाएगी।

[फा. सं. डी-22011/02/09/549]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

**DIRECTOR GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th January, 2009

Subject :—Safeguard investigation concerning imports of Soda Ash—Preliminary findings.

G.S.R. 62(E).—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 and the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 thereof;

1. Procedure

i) The Notice of Initiation of Safeguard investigation concerning imports of Soda Ash into India was issued on 16th January, 2009 and was published in the Gazette of India Extraordinary on the same day. A copy of the Notice was also sent to all known interested parties as under:

Domestic Producers

1. Tata Chemicals Ltd.
Leela Business Park,
Andheri-Kurla Road, Andheri (East)
Mumbai - 400 059.
2. Saurashtra Chemicals Limited,
Birlasagar,
Porbandar 360 576
Gujarat.

3. Gujarat Heavy Chemicals Limited
B-38, Institutional Area,
Sector - 1, Noida - 201 301.
4. DCW Limited,
"Nirmal" 3rd Floor,
Nariman Point,
Mumbai 400 021
5. Nirma Limited
NCC Office,
Krishna Nagar,

Wadhawadi Road,
Bhavnagar 364 002 Gujarat.

Other Indian producer : (now closed in 2008-2009)

1. Tuticorin Alkali Chemicals & Fertilizers Limited
East Coast Centre,
534, Anna Salai,
Teynampet,
Chennai 600 018

Importers

1. Gujarat Guardian Ltd.
Village - Kondh,
Valia Road,
Palnt Sate Highway No. - 13
Ankleshwar,
Bharuch - 393 001,
2. Float Glass India Ltd.
T - 7, Midc,
Industrial Area,
Taloja, Maharashtra,
3. Alembic Glass Industries Ltd.
Alembic Road,
Baroda (Vadodara),
Gujarat,
4. Deepak Nitrite Limited, Nandesari
4/12, Chemical Complex,
Gidc,
Nanfesari,
Baroda (Vadodara)
Gujarat,
5. Hindusthan National Glass & Ind. Ltd.
Rishra,
West Bengal
6. Hindustan Uniliver Ltd.
Dakshina Building,
8th Floor, Plot No. - 2,
Sector No. - 11,
Cbd Belapur,
Navi Mumbai,

7. Procter & Gamble Hygiene And Health Care
Mandideep Plant L & C - Mfg Plot No. - 182,
Mandideep,
Madhya Pradesh,
8. Albright Morarji & Pandit Ltd.
Ambernath,
Dist. - Thane
Maharashtra
9. Advatech Industries Pvt. Ltd., Dhanali
Village - Dhanali,
At - Kadi District,
Mahesana,
Gujarat,
10. Saint Gobain Glass Ltd.
Sriparumbathur,
Tamilnadu,

Exporters

1. Shandong Haihua Group
Shandong haihua Group Co., Ltd.
Dvelop Zone of Haihua
Weifang City, Shandong 262737,
China.
2. Hebei Tangshan Sanyou Alkali Industry Company
Nanpu Development Area,
TangShan, Hebei,
China
Postcode : 063305
3. Qinghai Alkali Plant (Zhejiang Glass)
China's Qinghai Delhi Municipal Industrial Park
Zip:817000
4. Tianjin Soda Ash Plant
No.87 Xinhua Road
Tanggu District Tianjin
China
5. Jinshan Chemical co.
China's Zhengzhou City in Henan Province,
Zhengzhou City Fushoushan Street 87,
China

(ii) A Copy of the Notice was also sent to the government of People's Republic of China through their embassy in New Delhi.

(iii) Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers and importers and they were asked to submit their response within 30 days.:

2. View of the Domestic Industry

1. The application has been filed by Alkali Manufacturers Association of India (AMAI) on behalf of M/s Tata Chemicals Ltd. Andheri (East), Mumbai, M/s Gujarat Heavy Chemicals Limited, Noida, M/s Saurashtra Chemicals Limited, Birla Sagar, Porbandar, Gujarat, M/s DCW Ltd, Nariman Point, Mumbai and M/s Nirma Ltd., Bhavnagar, Gujarat. The applicants have made following major points:-
2. The applicants have alleged that increased imports of Disodium Carbonate popularly known as Soda Ash from China into India have threatened to cause market disruption to domestic industry. The product has chemical formula Na_2CO_3 . Soda Ash is a white, crystalline, water-soluble material. Soda Ash is classified as below:

Name of the Products	HSN Chapter Heading	Customs Tariff Heading	ITC Heading
Soda ash	2836.20	28362010	28362010
		28362020	28362020
		28362090	28362090

3. They have alleged that surge in imports are taking place at lower prices making them lose their market share.
4. The increased imports at lower prices are on account of certain developments in china which are as mentioned below:
 - a. GDP growth through August 2008 pegged at 10.5%. Indicators are that through 2009 GDP will taper down to around 5-6%. This would leave large volume of excess capacity in China.
 - b. Post the Olympic Games and the Global Financial Crisis, China has witnessed sharp downturn in industrial activity leading to decline in demand for soda ash as well.
 - c. Soda ash demand estimate revised downward to 5%-6% / year from the earlier projection of 10%+ / year. This will reduce Chinese demand by 2 million MT / year.
 - d. All exports specially those of Chemicals/Plastics/Textiles/ Toys etc largely depended on US and Europe, hit drastically. Resultantly, exports of soda ash to these markets have also been hit, leaving significant surpluses with Chinese producers.

- e. Government announced support measures for upliftment of Rural Agricultural Sectors. This prevented closure of some plants, which would have happened in the absence of these measures.
- f. Like almost all economies, reality sector specially housing has been adversely affected. Real Estate prices sliding and very few buyers. These have impacted demand for a number of products including demand for soda ash.
- i. Slow down in housing affecting infrastructure industries like Cement, Steel and Glass.
- k. 35 Float Glass lines both small and medium sizes reportedly closed down in the last 2 months and others operating at reduced production rates. Float glass being one of the major consumer of soda ash, this has resulted in large surplus capacity.
- m. Capacity ramp up in 2007-08 in soda ash industry have been in line with projections.
- n. China capacities in mid 2008 were reportedly at 22million MT constituting of 7 large manufacturers and about 44 small manufacturers. 3.5 million MT already added in last 18 months (up from 18.5 Million MT). Further announcements of about 5 million MT on hand (may or may not come on stream depending on demand supply situation). Chinese soda ash production capacity is expected to reach at 26 and 28 million MT in 2009 and 2010 respectively
- o. Shandong-Haitai has added 1 million MT in September 2008 and commercial production has commenced. Once fully commercial, this would release 1 million MT soda ash in the market.
- q. Chinese soda ash production remained at 1.701 million MT in Oct-08, this leads to year to date 16.14 million MT which is 14% growth over same period last year.
- r. Post Olympics witnessed serious downturn in consumption along with ripple effect of added inventories due to logistics slow down during games.
- s. No Soda Ash plant had to close during games as was earlier visualized. Because of this, the soda ash producers had built up high inventories and are now saddled with stocks. Added inventories and continuing record production have led to very high inventories.
- t. Glass industry in China is not doing good. Followings are relevant in this regard.
 - i. Float Glass going through severe pressure.
 - ii. Inventories added up during Olympic Games could not be liquidated owing to serious financial crunch in the sector in September – October.
 - iii. Real Estate trend down by 25 – 30 % “No Buyers” available.
 - iv. 30 Float Glass units reportedly closed on account of high inventory and no domestic demand.
 - v. Dense Soda Ash demand which was hitherto tight has also become very weak.

- u. The demand for detergent is also falling subsequent to slow down. Detergent industry which was growing by +10% PA till 2007 has recorded marginally negative growth in 2008.
 - v. Demand for soda ash in aluminium industry is also falling on account of falling consumption of Soda Ash in the Aluminium sector.
5. Their inventory is on sharp rise, even after lower production.
 6. The transportation cost forms a very substantial portion in cost to make and sell the subject goods. To compound the problems further, while the Indian Producers of soda ash are located in the State of Gujarat (due to availability of raw material), the sales have to be made throughout India. Further, the subject goods is a comparatively lower price product. Thus, the incidence of transportation cost per MT of the product works out very substantial when compared with the selling price of the product.
 7. Their profitability has gone down drastically and the danger of their wipe out is imminent.
 8. They have requested for imposition of Safeguard duty as well as quantitative restrictions on imports of Soda Ash into India from China to protect the domestic producers of Soda Ash against threat of market disruption caused by the increased imports from People's Republic of China.
 9. They have also requested for imposition of provisional Safeguard duty in light of critical circumstances, leading to damage which would be difficult to repair.

3. Findings of the DG:

- a) The issue to impose immediate safeguard measures was examined. The Rule 9 of Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 issued vide Notification No. 34/2002-NT-Customs dated 11.06.2002 prescribes that the Director General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, he may record a preliminary finding regarding market disruption or threat of market disruption. The principles governing investigations have been provided in the Rule 6 of the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002, which is independent to Rule 9. The Rule 15 of the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 provide for refund of differential Safeguard duty in case safeguard duty imposed after conclusions of the investigations is lower than the provisional duty already imposed and collected. The harmonious reading of Rules 6, 9 and 15 of the said Rules leads to a conclusion that the Rules provide for expeditious recommendation of provisional Safeguard duty based on preliminary findings and refund of the differential duty in case it is ascertained that the duty imposed after conclusion of investigation following natural justice as enshrined in the Rule 6 is lower than the provisional Safeguard Duty. However, in critical circumstances any delay in imposition of Provisional Safeguard duty may cause damage which would be difficult to repair.

Accordingly, it was considered prudent to analyze circumstances to assess whether the same falls in the category of critical circumstances.

- b) **The product under investigation:** The product under investigation is Disodium Carbonate, popularly known as Soda Ash, having chemical formula Na_2CO_3 . Soda Ash is a white, crystalline, water-soluble material. It has been referred as "Soda Ash" in this order. Soda Ash is produced in two forms - Light Soda Ash and Dense Soda Ash. The difference in the two types is bulk density. Soda Ash is an essential ingredient in the manufacture of detergents, soaps, cleaning compounds, sodium based chemicals, float glass, container and specialty glasses, silicates and other industrial chemicals. It is also widely used in textiles, paper, metallurgical industries and desalination plants. The Directorates preliminary determination is that the products produced by the domestic producers are like or directly competing with the products concerned. That is to say that possible slight differences in the production process, and some differences in terms of quality, they have the same basic physical characteristics and the same uses and are sold via similar or identical sales channels. Price information is readily available and the products concerned and the products of the domestic producers compete mainly on price.
- c) **Domestic Industry:** There are following main domestic producers in India who manufacture Soda Ash namely - Tata Chemicals Ltd, Gujarat Heavy Chemicals Limited, Saurashtra Chemicals Limited, DCW Limited, Nirma Limited and Tuticorin Alkali Chemicals & Fertilizers Limited. The shares of these producers are as mentioned in the table 1. The applicant M/s Alkali Manufacturers Association of India (AMAI) supported by M/s Tata Chemicals Ltd. Andheri (East), Mumbai, M/s Gujarat Heavy Chemicals Limited, Noida, M/s Saurashtra Chemicals Limited, Birla Sagar, Porbandar, Gujarat, M/s DCW Ltd, Nariman Point , Mumbai and M/s Nirma Ltd., Bhavnagar, Gujarat , whose production of Soda Ash account for more than 90% of the domestic production, constitute domestic industry.

Table-1

Sl. No.	Name of the manufacturer	Production in 2007-08	% share in total domestic production
1	Tata Chemicals Ltd.	7,77,259	36.56
2	GHCL Ltd.	6,18,208	29.08
3	Saurashtra Chemicals	2,76,439	13.00
4	Nirma Ltd	3,72,530	17.52
5	DCW Ltd.	81,248	3.82
6	Tuticorin Alkali Chemicals &	54	.003

	Fertilizers Limited		
--	------------------------	--	--

- d) **Unforeseen Developments:** As a result of current economic meltdown, demand for soda Ash has declined. Consequently, the Chinese producers are faced with significant idling of production capacities and are therefore resorting to sell the product in Indian market. Further, demand for their product has declined in their major export markets. To compound the problems further for them, fresh capacities have commenced commercial production in China. It is thus observed that aforesaid are unforeseen circumstances leading to significant increases in imports from China at low prices.
- e) **Increased Imports:** From the table 2, it is apparent that there is significant increase in imports in absolute term from Peoples Republic of China during the period October-December 2008. There has also been significant increase in share of imports in domestic market during October-December 2008 after gradual increase in the share of imports during earlier period.

Table-2

Period	Volume (MT)	Monthly Average
2004-05	2,120	177
2005-06	9,016	751
2006-07	44,892	3,741
2007-08	45,771	3,814
Apr-Jun08	10,249	3,416
Jul-Sep08	16,562	5,521
Oct-Dec08	49,018	16,339

Source: DGCI&S upto June08 and China customs thereafter

Moreover, as can be seen from Table-3, the share of imports from China in relation to domestic production has increased from 0.44% in 2005-2006 to 2.59% April-Sep., 2008. Thereafter the share of imports from China (PR) has increased sharply to 10.13%.

Table 3

Imports from China and other Countries vis-à-vis domestic production

	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep08	Oct-Dec08
Imports from China	0.44	2.16	2.16	2.59	10.13
Imports from other	6.92	10.35	14.57	11.16	6.67

than China					
Sales by Domestic Industry (total)	92.64	87.49	83.27	86.25	83.20

f) Threat of Market Disruption:

- i. **Share of domestic market:** As apparent from the Table 3, the domestic industry is losing their market shares to imports from China. In the year 2005-06 domestic manufacturers commanded 92.64% of the market against mere 0.44% of market share by Chinese imports. The share of Chinese imports went upto 10.13% during the period October-December 2008 and the share of domestic producers fell to 83.20% during the same period
- ii. **Sales:** From Table 4 it can be seen that the average weekly sales volume fell to 36745 MT during the period 2005-2006, to 33207 MT in April-Dec., 2008. The sales have further fallen to 20881 in 1st week of Jan., 2009.

Table-4

	Total domestic sales	Average weekly domestic sales
2005-06	1,910,722	36,745
2006-07	1,821,823	35,035
2007-08	1,765,426	33,951
Apr.-Dec., 2008	1,295,063	33,207
1/11 to 7/11/08	-	31,883
8/11 to 14/11/08	-	30,970
15/11 to 21/11/08	-	29,819
22/11 to 30/11/08	-	36,539
1/12 to 7/12/08	-	27,645
8/12 to 14/12/08	-	26,603
15/12 to 21/11/08	-	28,931
22/12 to 31/12/08	-	39,101
1/1 to 7/1/09	-	20,881
8/1 to 14/1/09	-	29,963

- iii. **Production:** A perusal of table-5 shows that average weekly production was increasing till Nov., 2008 and declined thereafter sharply until last week of Dec. Moreover the decline was even more pronounced in Jan., 2009

Table-5

	Total production	Average weekly production
2005-06	2,224,601	42,781
2006-07	2,037,255	39,178
2007-08	2,125,684	40,879
Apr.-Dec., 2008	1,556,654	39,914
1/11 to 7/11/08	-	42,329
8/11 to 14/11/08	-	41,516
15/11 to 21/11/08	-	41,432
22/11 to 30/11/08	-	52,285
1/12 to 7/12/08	-	40,105
8/12 to 14/12/08	-	42,607
15/12 to 21/11/08	-	43,936
22/12 to 31/12/08	-	55,971
1/1 to 7/1/09	-	38,219
8/1 to 14/1/09	-	37,967

- iv. **Inventory:** It is observed from Table-6 that the level of inventories increased significantly from 47721 MT in 1st week of Nov., 2008 to 110082 MT at the end of 2nd week of Jan., 2009. Showing sharp increase of 132% in a matter of just about 8 weeks.

Table-6

	Average stock
1/11 to 7/11/08	47721
8/11 to 14/11/08	51598
15/11 to 21/11/08	54008
22/11 to 30/11/08	60521
1/12 to 7/12/08	62611
8/12 to 14/12/08	70611
15/12 to 21/11/08	80049

22/12 to 31/12/08	88752
1/1 to 7/1/09	97047
8/1 to 14/1/09	109799
Closing inventory	110082

- v. **Capacity Utilization:** It is observed from Table-7 that capacity utilization was increasing till Nov., 2008 but declined thereafter sharply from 93.41% in Nov., 2008 to 71% in 1st week of Dec. The capacity utilization declined to 68% in 1st week of Jan., 2009. It is also observed that this significant decline in utilization of capacity in spite of the fact that some of the domestic manufacturer do not have flexibility to regulate production without significant adverse impact on cost.

Table-7

	Average weekly Capacity	Capacity utilization
2005-06	49,731	86.02%
2006-07	50,953	76.89%
2007-08	55,360	73.84%
Apr.-Dec., 2008	55,360	72.10%
1/11 to 7/11/08	55,975	75.62%
8/11 to 14/11/08	55,975	74.17%
15/11 to 21/11/08	55,975	74.02%
22/11 to 30/11/08	55,975	93.41%
1/12 to 7/12/08	55,975	71.65%
8/12 to 14/12/08	55,975	76.12%
15/12 to 21/11/08	55,975	78.49%
22/12 to 31/12/08	55,975	99.99%
1/1 to 7/1/09	55,975	68.28%
8/1 to 14/1/09	55,975	67.83%

- vi. **Productivity:** There is no injury on account of productivity.

- vii. **Profitability:** It is seen from Table-8 below that profitability declined from Rs.2680 per MT in 2006-2007 to Rs.2181 per MT in 2007-2008 and further to Rs.1976 per MT in April 2008 to Sep., 2008.

Table-8

Years	Profit/(Loss) Rs. per Mt	Indexed
-------	-----------------------------	---------

2005-06	2114	100
2006-07	2680	127
2007-08	2181	103
Apr-Sep08	1976	93

- viii. **Employment:** There is decline in the employment with the domestic industry as seen from Table-9 below.

Table-9

	2005-06	2006-07	2007-08	April-December 08
Total of GHCL and TCL	6762	6430	6364	6291
Decline (Compared to base year 2005-06)	-	332	398	471

- ix. **Import Price:** The movement of FOB prices of export of Soda Ash from China (Table- 10) clearly indicates sudden drop in price in the month of November and December, 2008 which continued in Jan., 2009.. This sudden drop in price has caused increased imports. The increased imports at lower landed value than the cost of sale at reasonable ROCE has led to loss of domestic producers share in the domestic market moreover increased imports caused on prices to the extent that their profitability has declined substantially as given above in the Table-8.

Table-10

	Volume in Mt	FOB price in US\$/Mt
Year/Month	India	India
2005-06	10,063	157.15
2006-07	47,252	145.43
2007-08	45,771	218.55
Apr-Dec08	71,410	235.02
Per month	-	-
Apr-08	1,859	280.14
May-08	2,620	283.57
Jun-08	1,351	296.54
Jul-08	3,011	296.31
Aug-08	5,742	310.55
Sep-08	7,809	305.87
Oct-08	5,891	287.28

Nov-08	1,920	190.03
Dec-08	41,207	194.07

Source: China Customs data

- g) **Critical Circumstances:** In this context it is noteworthy that export of Soda Ash has shot up significantly to 41207 MT (Table-10) which is close to annual export of this product from China to India in recent past. This sharp increase in import of Soda Ash to India will significantly increase the market share of import displacing domestic producers. This would also critically impair the domestic industry which is already having huge inventories (the increase has been 130% during Nov. 2008 to January 2009). This huge increase would further lead to decreased capacity utilization, decrease in employment and further decrease in profitability. In light of such huge export of Soda Ash from China to India and existence of significant surplus capacities in china would further disrupt the domestic industry and thus the threat of market disruption is clearly imminent. Therefore, I consider that there exists a critical situation warranting imposition of provisional Safeguard duties as any delay in the imposition of provisional safeguard duties would cause damage, which it would be difficult to repair.
- h) **Other issues :** The provisional examination of the interests of the domestic producers, users, importers and other economic operators indicate that the domestic producers have technologically competitive plants, trained manpower and enjoyed high level of productivity and are able to meet quality and service concern of their customers. Any delay in imposition of provisional safeguard duty would seriously jeopardise their viability. It is prudent to have a healthy and competitive industry in the interest of all. It is apparent that if no safeguard measures are taken, both the prices and the market share of the domestic producers will further deteriorate resulting in increased inventories reduced production, reduced profitability and loss of employment.
- i) **Conclusion and Recommendation:**
- On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of Soda Ash have caused and threatened to cause further market disruption to domestic producers of Soda Ash. Critical circumstances, where any delay in application for safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, exists necessitating immediate application of provisional safeguard duty for a period of 200 days, pending a final determination of market disruption and threat of market disruption. Considering the average cost of production of Soda Ash by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the present level of import duties and the current import prices of Soda Ash, a safeguard duty at the rate of 31% ad valorem, which is considered to be the minimum required to protect the interest of domestic industry, is recommended to be imposed on imports from

People's Republic of China of Soda Ash falling under 28362010, 28362020 and 28362090 of the First Schedule of the Customs Tariff Act, 1975

j) Further Process:

A public hearing will be held in due course before making a final determination, for which the date will be informed separately.

[F. No. D-22011/02/09/549]

S. S. RANA, Director General